22E
100 Marks

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

संस्कृत पारंगत (एम.ए.) बहिःस्थ

परीक्षा: डिसेंबर – २०२३

सत्र २ रे

विषय: वैदिक साहित्य (22E321)

दिनांक: ०५/१२/२०२३ **गुण : १००** **वेळ : दु. २.०० ते ५.००**

सूचना: १) उजवीकडील अंक त्या प्रश्नांचे गुण दर्शवितात. २) सर्व प्रश्न सोडवणे अनिवार्य.

प्र. १. ऋचोः सटिप्पणमनुवादं कुरुत। **(१६)**

१. अश्वावतीर्गोमतीर्विश्वसुविदो भूरि च्यवन्त वस्तवे।
उदीरय प्रति मा सूनृता उषश्चोद राधो मघोनाम्।।

२. गोमातरो यच्छुभयन्ते अञ्जिभिस्तनूषु शुभ्रा दधिरे विरुक्मतः।
बाधन्ते विश्वनभिमातिनमप वर्त्मान्येषामनु रीयते घृतम्।।

३. इयं मनीषा इयमश्विना गीरिमां सुवृक्तिं वृषणा जुषेथाम्।
इमा ब्रह्माणि युवयून्यग्मन् यूयं पात स्वस्तिभिः सदा नः।।

प्र. २. मन्त्रद्वयं सानुवादं सुस्पष्टयत। **(१६)**

१. अच्छ त्वा यन्तु हविनः सजाता अग्निर्दूतो अजिरः सं चरातै।
जायाः पुत्राः सुमनसो भवन्तु बहुं बलिं प्रति पश्यासा उग्रः।।

२. मानस्य पत्नि शरणा स्योना देवी देवेभिर्निमितास्यग्रे।
तृणं वसाना सुमना असस्त्वमथास्मभ्यं सहवीरं रयिं दाः।।

३. कैरात पृश्न उपतृण्य बभ्र आ मे शृणुतासिता अलीकाः।
मा मे सख्युः स्तामानमपि ष्ठाताश्रावयन्तो नि विषे रमध्वम्।।

प्र. ३. टिप्पणीचतुष्टयं लिखत। **(२८)**

१. यजुर्वेदस्य शाखाः

२. नासदीयसूक्तम्

३. सवितृदेवता

४. मेधाजननसूक्तम्

५. उपनिषदः

प्र. ४. चतुरः प्रश्नान् उत्तरत। **(४०)**

१. ब्राह्मणग्रन्थानां महत्त्वं लिखत।

२. ऋग्वेदस्य रचनां लिखित्वा अथर्ववेदस्य नामानि स्पष्टीकुरुत।

३. स्त्रीदेवताः विशदीकुरुत।

४. वेदाङ्गानि वर्णयत।

५. शालानिर्माणसूक्तमिति विषये निबन्धो लेख्यः।